केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 325 बुधवार 19 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

उद्यम के लिये मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत 10 इकाइयों को रू0 50 लाख के पूंजीनिवेश हेतु लक्ष्य प्राप्त है। उक्त जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी पी.एन.सिंह ने दी है। उन्होने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित, बेरोजगार नवयुवको, नवयुक्तियों व प्रवासी श्रमिको को जो स्वयं का उद्यम स्थापित कर रोजगार करने के इच्छुक है, वह योजनान्तर्गत अपना आवेदन आनलाईन mmgry के पोर्टल पर आगामी दिनॉक 15 जुलाई 2024 तक कर सकते है।

पिलाया मीठा शरबत

दिल्ली (आभा)। निर्जला एकादशी के पर्व पर दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में मीठा शरबत पिलाकर आने जाने वाले लोगों को तपती गर्मी में एक तरफ ठंडा जल तो वहीं दूसरी तरफ ठंडा मीठा शरबत पिलाकर आने जाने वाले लोगों को तपती धूप में राहत देते सामाजिक लोग नजर आये गोविंदपुरी कालकाजी क्षेत्र के सामाजिक और राजनीतिक लोगों ने भी गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के निकट मीठा शरबत पिलाते हुए नजर आए इस मौके पर रतन धायल कार्यकारिणी सदस्य दिल्ली प्रदेश ओबीसी मोर्चा, अध्यक्ष कालकाजी विधानसभा मनजीत सिंह मंत्री दिल्ली प्रदेश ओबीसी मोर्चा शशिकांत तिवारी अध्यक्ष गोविंदपुरी इंद्र गिल भाजपा नेता सहित सोसायटी के सामाजिक लोगों ने अपना योगदान दिया

योग प्रोटोकॉल का अभ्यास 19 से

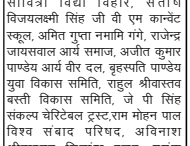

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व योग दिवस को विराट रूप देने के लिए पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान, महिला पतंजलि योग समिति और इंडियन योग एसोसिएशन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सामाजिक धार्मिक संस्थाओं से सम्पर्क कर अपने कार्यकर्ताओं सहित विश्व योग दिवस में आमंत्रित कर रहे हैं। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद मिश्र सावित्री विद्या विहार, संतोष विजयलक्ष्मी सिंह जी वी एम कान्वेंट स्कूल, अमित गुप्ता नमामि गंगे, राजेन्द्र जायसवाल आर्य समाज, अजीत कुमार पाण्डेय आर्य वीर दल, बृहस्पति पाण्डेय युवा विकास समिति, राहुल श्रीवास्तव बस्ती विकास समिति, जे पी सिंह संकल्प चेरिटेबल ट्रस्ट,राम मोहन पाल विश्व संवाद परिषद, अविनाश श्रीवास्तव चित्रांश क्लब, मयंक श्रीवास्तव रोटरी क्लब, स्वरा एकेडमी, संघमित्रा, इनरव्हील क्लब, गोपेश पाल विश्व हिंदू परिषद, आशीष श्रीवास्तव भारत विकास परिषद, नागेन्द्र प्रताप सिंह प्रान्त मंत्री, श्रद्धेय पाल बजरंग दल, और पंकज त्रिपाठी सनातन धर्म संस्था सहित अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों को निमंत्रण दिया गया।

इस अवसर पर ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने बताया सभी संगठन मिलकर के विश्व योग दिवस के इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करेंगे। डॉ नवीन सिंह इंडियन योग एसोसिएशन ने बताया कि 19 जून से सुबह 5.30 बजे से योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय द्वारा आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जाएगा। इस अवसर पर हिमांशु यादव, संदीप भट्ट, अजीत कुमार पांडे, नवल किशोर चौधरी, विजय कुमार, श्रवण कुमार, वेदान्त सिंह, रामनाथ, भानू बाबू, रजनी मिश्रा, रश्मि गुप्ता, बबली शर्मा सहित अनेक योग शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

पीएम मोदी ने जारी किया सम्मान निधि की किश्त

वाराणसी (आभा)। लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने देश के 9 करोड़ से ज्यादा करोड़ किसानों को पहली बड़ी सौगात दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में पीएम–किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी कर दी है। इसके तहत लाभार्थी किसानों के बैंक अकाउंट में 2000 रुपये की किस्त भेजी गई है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार शपथ ग्रहण के बाद जिस पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए थे, वह 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 17वीं किस्त जारी करने से संबंधित थी।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया। लगातार तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला वाराणसी दौरा है। इस दौरान पीएम मोदी ने लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की किस्त जारी की है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद बनारस पहुंचे पीएम मोदी ने काशी के किसानों को संबोधित किया। साथ ही काशीवासियों का तीसरी बार सांसद चुनने पर आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मां गंगा ने मुझे गोद लिया है, अब मैं यहीं का होकर रह गया हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, काशीवासियों का मुझ पर असीम स्नेह है। इस चुनाव में देश के 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है। पूरी दुनिया में इससे बड़ा चुनाव कहीं और नहीं होता है। जहां इतनी बड़ी संख्या में लोग वोटिंग में हिस्सा लेते हैं। पीएम मोदी बोले, जी–7 की बैठक में मैं हिस्सा लेने के लिए इटली गया था। जी–7 के सारे देशों के सारे मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है। यूरोप के तमाम देशों को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है। इस चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया। एक देश में महिला वोटर्स की संख्या के हिसाब से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ये संख्या अमेरिका की पूरी आबादी के आसपास है। भारत के लोकतंत्र की यही खूबसूरती, यही ताकत पूरी दुनिया को आकर्षित भी करती है और प्रभावित भी करती है। मैं बनारस के हर मतदाता का भी लोकतंत्र के उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। ये बनारस के लोगों के लिए भी गर्व की बात है। पीएम मोदी बोले, काशी के लोगों ने सिर्फ एमपी नहीं बल्कि तीसरी बार पीएम भी चुना है। इसलिए आप लोगों को डबल बधाई। इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है वह वाकई अभूतपूर्व है।

लोकसभा चुनाव में योगदान के लिये कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सूचना का अधिकार विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव और गोरखपुर– बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव को लोकसभा चुनाव में उनके सक्रिय योगदान के लिये आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कांग्रेस कार्यालय नेहरू भवन लखनऊ में समारोह पूर्वक प्रमाण–पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि महेन्द्र श्रीवास्तव ने लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस और गठबंधन प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिये अथक योगदान दिया। वे लगातार कांग्रेस की नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ते हुये कांग्रेस संगठन को मजबूती दे रहे हैं।

सम्मानित होने के बाद यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना का अधिकार विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव और गोरखपुर–बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि जरा सी चूक हुई वरना बस्ती मण्डल की तीनों सीटों बस्ती, संतकबीर नगर के साथ ही डुमरियागंज सीट पर भी सफलता मिलती। कहा कि लोकसभा का यह चुनाव सच्चे मायनों में जनता लड़ रही थी। उसका लक्ष्य भाजपा के कुशासन को बदलना था। कहा कि कांग्रेस ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिये अभी से तैयारियां तेज कर दिया है, निश्चित रूप से पार्टी यूपी के आगामी विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत हासिल करेगी।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव को योगदान के लिये सम्मानि किये जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, राम जियावन, वरिष्ठ नेता बसन्त चौधरी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, गिरजेश पाल, विश्वनाथ चौधरी, नर्वदेश्वर शुक्ल, प्रशान्त पाण्डेय, जयन्त चौधरी, रफीक खान, सूर्यमणि, अवधेश सिंह, रामप्रीत तौफीक, अतहर, दीन मोहम्मद, रीता साहनी, मंजू देवी, हसीना खातून, पूनम, सुमन आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

सचिव आनंद सिंह ने जाना ग्राम पंचायतो के सफाई व्यवस्था का हाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गांव में गंदगी की शिकायत पर सचिव आनंद सिंह ने ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत कुसमौर, दुबखरा, बसहवा, भौसिंगपुर, मंझरिया में सचिव आनंद सिंह ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर उच्चाधिकारियो को पूरे मामले से अवगत कराया। कुसमौर में सफाई कर्मी संजय, संजू देवी अनुपस्थित रही वहीं पुजारी लाल हस्ताक्षर करके हुए गायब मिले। दुबखरा में सर्वेश कुमार, झिन्नू मौर्य अनुपस्थित रही वहीं फूलकली व मेहंदी हसन हस्ताक्षर करके गायब पाए गये। ग्राम पंचायत बसहवा में सीमा चौधरी अनुपस्थित मिली।

भौसिंहपुर में शांति देवी अनुपस्थित रही मीना देवी सुमित्रा देवी हस्ताक्षर करके गायब मिली, ग्राम पंचायत मंझरिया में सबीना खातून अनुपस्थित मिली। जिसकी शिकायत कुछ ग्रामीणों ने करते हुए बताया की उक्त सफाई कर्मी गोरखपुर से 15,20 दिन में आते है। हस्ताक्षर करके चली जाती है।

पूर्व मे कई ब्लाको मे एडीओ पंचायत पद पर रह चुके सचिव आनंद सिंह ने कहा की गांव से शिकायत मिली थी कि गांव में गंदगी है। मौके पर जाकर सत्यापन कर उच्चाधिकारियो को रिपोर्ट दी गई है।

आईआईटी में चयन होने पर स्नेहिल को एडी बेसिक, बीएसए ने किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत लिपिक रागिनी त्रिपाठी के पुत्र स्नेहिल त्रिपाठी का आईआईटी में चयन होने पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय शुक्ल और बीएसए अनूप कुमार ने मंगलवार को सम्मानित किया। दोनों अधिकारियों ने छात्र को मिठाई खिलाकर,अंगवस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया और शुभकामना दिया। एडी बेसिक संजय शुक्ल ने कहा कि कड़ी मेहनत और अनुशासन में रहकर मेहनत की जाय तो कोई भी लक्ष्य बड़ा नही है। स्नेहिल ने बेसिक शिक्षा विभाग और अपने परिवार का गौरव बढ़ाया है इससे पूरे विभाग का सम्मान बढ़ा है। बीएसए अनूप कुमार ने कहा कि स्नेहिल त्रिपाठी ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह से देश की सर्वोच्च संस्था की परीक्षा को उत्तीर्ण किया है निश्चित तौर पर वह दूसरों के लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी महेंद्र त्रिपाठी, विनोद त्रिपाठी, मिथिलेश श्रीवास्तव, अकीउद्दीन खान, डॉ सर्वेष्ट मिश्र, अनिल पांडेय, अनिल चौधरी, रागिनी त्रिपाठी, चित्रा शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

बहुत नाजुक है एनडीए सरकार–राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली यह एनडीए सरकार बहुत ही नाजुक है। उन्होंने कहा है कि अपने तीसरे कार्यकाल में एनडीए की सरकार अस्तित्व के लिए संघर्ष कर सकती है। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में, राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि 4 जून के फैसले के बाद भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा, 'संख्या इतनी कम है कि उनकी स्थिति बहुत नाजुक है, और थोड़ी सी भी गड़बड़ी सरकार को गिरा सकती है।

लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत वसूली का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कर–करेत्तर विभागों के अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी, जिसमें आबकारी, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन, वाणिज्यकर, परिवहन, खनन, बाट–माप, श्रम, नगरपालिका सहित अन्य विभागों की समीक्षा किया गया। समीक्षा में उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत वसूली करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होंगी। कार्यो में शिथिलता व लापरवाही पाये जाने पर अधिशासी अधिकारी नगरपंचायत हर्रैया व बभनान का वेतन बाधित करने का निर्देश अपर जिलाधिकारी को दिया है।

उन्होने कायाकल्प योजनान्तर्गत कराये गये कार्यो की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फिल्ड में जाकर सत्यापन/जॉच कर ले, जॉच के उपरान्त संबंधित का भुगतान नियमानुसार किया जाय। उन्होने राजस्व वादों को नियमानुसार समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने का निर्देश उप जिलाधिकारी तथा तहसीलदार को दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होने पीओ डूडा को निर्देशित किया कि किश्त प्राप्त लाभार्थी द्वारा अगर समय से कार्य नही कराया गया हो, तो रिकवरी नोटिस जारी करें। बैठक में एडीएम कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, जिलापूर्ति अधिकारी भानुभाष्कर, आबकारी अधिकारी, एलडीएम आर.एन. मौर्या, एआरटीओ पंकज कुमार, अधिशासी अभियन्ता मनोज सिंह, अधिशासी अधिकारी नगरपंचायत सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गला काटकर हत्या मामले में दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

चुप्पी साधे हुई है मुण्डेरवा पुलिसः आई.जी. तक पहुंचा मामला

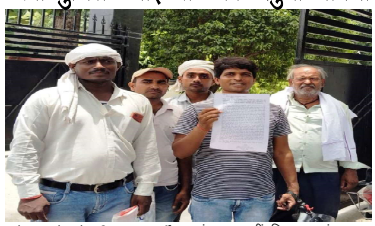

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फेरी लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले हरिकान्त की गला काटकर नृशंस हत्या मामले में दोषियों की गिरफ्तारी न होने और मुण्डेरवा पुलिस की सुस्ती से परिजनों में रोष है। मंगलवार को मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के रामपुर रेवटी निवासी सन्तोष गुप्ता ने अपने भाई हरिकान्त की गला काटकर नृशंस हत्या मामले में पुलिस महानिरीक्षक और सी.ओ. रूधौली से मिलकर न्याय की गुहार लगाया है।

पुलिस उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में सन्तोष गुप्ता ने कहा है कि गत 3 मई 2024 की रात में उनके भाई हरिकान्त गुप्ता को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बुलाया गया और धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। पत्र में कहा गया है कि मृतक हरिकान्त गुप्ता के साथ घटना से पूर्व रात्रि लगभग 10.30 बजे गांव के सोनू सिंह पुत्र स्वर्गीय ब्रम्हदेव सिंह गांव के निकट चौराहे पर मिले थे। उनके साथ अक्सर बैठने वाले अमृत सिंह उर्फ खन्नू सिंह पुत्र हंसनाथ, बुलट उर्फ शिवकुमार सिंह पुत्र उदयभान सिंह, लल्ला सिंह पुत्र श्याम मोहन सिंह, हल्लौर नगरा निवासी राजेश पुत्र सुखराज, सुबराती पुत्र गुलाम अली से भी पुलिस ने अभी तक कोई पूंछताछ नहीं किया। नृशंस हत्या मामले में पुलिस द्वारा कोई गिरफ्तारी नहीं की गई। मुण्डेरवा पुलिस न तो जांच में रूचि ले रही है न कोई प्रभावी कार्यवाही कर रही है। सन्तोष गुप्ता ने मांग किया है कि उनके भाई हरिकान्त की हत्या मामले में दोषियों को गिरफ्तार करने के साथ ही परिवार के जान माल की सुरक्षा करायी जाय।

भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन को चौकी इन्चार्ज ने दिया धमकीः डीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि दुबौलिया थाना क्षेत्र के डेईडीहा चौकी इन्चार्ज द्वारा फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देने की जांच कराकर समुचित कार्यवाही की जाय।

ज्ञापन देने के बाद आर. के.आरतियन ने बताया कि वे समाज के कमजोर गरीब वर्ग की मदद किया करते हैं। उनके पास एक व्यक्ति को परेशान किये जाने का मामला सामने आया। जब उन्होने डेईडीहा चौकी इन्चार्ज प्रहलाद यादव से मामले में जानकारी मांगी तो उन्होने फोन पर ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुये गालियां दी और रेप जैसे संगीन अपराध में फंसाने की धमकी देने लगे। बातचीत की काल रेकार्डिंग उनके पास उपलब्ध है। जब चौकी इन्चार्ज प्रहलाद यादव सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं से इस भाषा में बात करते हैं तो सामान्य लोगों से इनका व्यवहार कैसा होगा यह जांच का विषय है। उन्होने मांग किया कि चौकी इन्चार्ज प्रहलाद यादव के विरूद्ध समुचित कार्यवाही करने के साथ ही उनके और परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय। चौकी इन्चार्ज प्रहलाद यादव उन्हें किसी भी फर्जी मामले में फंसा सकते हैं।

ज्ञापन देने वालों में भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के साथ पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नन्दवंशी, बुद्धेश राना, रितिक कुमार, अजय कुमार, शिव कुमार, पंचलाल, अजय कुमार, रमेश चौधरी, केशवराम के साथ ही विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

डाक विभाग के मण्डलीय मेले में दिया कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

-बैंकिंग सेवा आधुनिक हुई, बचत, बीमा की अनेक योजनाओं को घर-घर पहुंचायें डाक कर्मी- आर.वी. चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को रेलवे स्टेशन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में विशाल डाक व्यवसाय मण्डलीय मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि निदेशक डाक सेवायें गोरखपुर आर.वी. चौधरी ने मेले में डाक विभाग द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी बचत योजनाओं, बीमा योजना, सुकन्या योजना आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि डाक विभाग की बैंकिंग सेवा को अत्याधुनिक बना दिया गया है और कुछ स्थानों पर एटीएम, चेक बुक आदि की सेवा शुरू हो गई है। डाक विभाग ने मोबाइल बैंकिंग की शुरूआत कर अब उपभोक्ताओं के बचत जमा एवं निकासी प्रकिया को आसान कर दिया है।

उन्होने इस बात पर जोर दिया डाक पालों, विभागीय कर्मचारी, डाकिया लोगों तक योजनाओं को पहुंचे जिससे अधिकतम लोग इसका लाभ उठा सके। डाक व्यवसाय मेले में विभिन्न योजनाओं, बीमा आदि में 12 लाख, 49 हजार से अधिक धन का व्यवसाय हुआ। इस अवसर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले डाक कर्मियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया गया।

डाक व्यवसाय मेले में डाक अधीक्षक रवि कुमार, सहायक अधीक्षक खलीलाबाद उप मण्डल अशोक कुमार सिंह, वीरेन्द्र कुमार मौर्य, डी.के. भारती, सूर्य प्रकाश पटेल, भीम प्रसाद, बसन्त कुमार, राजेश पाण्डेय आदि ने विभागीय कर्मचारियों को योजनाओं की बिन्दुवार विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि लोगों तक योजना पहुंचे तो निश्चित रूप से इसका लाभ भी उन तक पहुंचेगा। कहा कि इसके लिये विभागीय कर्मचारियों को घर–घर जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देनी होगी। मण्डलीय डाक मेले में बस्ती मण्डल के डाक विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण डाक सेवक आदि उपस्थित रहे।

महापुरूषों की प्रतिमाओं, पार्को के लिये बजट निर्धारण की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आल इण्डिया रियूनियन ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम गौतम ने मंगलवार को ट्रस्ट पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि बस्ती के साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों में अम्बेडकर पार्क, संत रविदास पार्क, बौद्ध बिहार एवं अन्य महापुरूषों की प्रतिमाओं और पार्को के रख रखाव के लिये शासन स्तर पर बजट का प्राविधान कराया जाय।

ज्ञापन में विक्रम गौतम ने कहा है कि रख रखाव के अभाव में अम्बेडकर पार्क, संत रविदास पार्क, बौद्ध बिहार एवं अन्य महापुरूषों की प्रतिमाओं और पार्को की स्थिति दयनीय हो जाती है और पार्को के पास अवैध । अतिक्रमण भी हो जाता है। ट्रस्ट के महासचिव एडवोकेट संदीप गोयल ने कहा कि बजट का प्राविधान हो जाने से जहां प्रतिमायें सुरक्षित रहेंगी वहीं पार्क भी विकसित होंगे।

जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने वालों में मुख्य रूप से विनय अम्बेडकर, रामू निषाद, अनुराग कुमार, गोविन्द प्रसाद, राकेश कन्नौजिया, शैलेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र प्रताप यादव, सुशील कुमार, जितेन्द्र पाल गौतम, अजय प्रताप चौधरी, प्रमोद कुमार, अविनाश मौर्य, अनुराग गौतम, शिवा सेन आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 जून 2024 बुधवार

सम्पादकीय

रेल हादसे और तंत्र

हर बड़े हादसे को भूल जाना हमारी नीयति बन चुकी है। आये दिन रेल हादसों के बाद कुछ दिन के शोर शराबों, आरोप, आश्वासन, मुआवजा के बाद तंत्र तब तक सोता रहता है जब तक कि कोई बड़ा हादसा न हो जाय। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गये। आखिर इन स्थितियों के लिये कौन जिम्मेदार है। सुरक्षित यात्रा के लिये रेल विभाग का दावा एक बार फिर तार–तार हो गया है।

पिछले कई वर्षों से रेल सेवाओं को सुंदर, सुरक्षित और सुविधानजक बनाने के दावे बढ़–चढ़ कर किए जाते रहे हैं, मगर रेल हादसों को रोकना अब भी चुनौती है। वर्ष भर पहले ही ओड़ीशा के बालासोर में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गई थीं, जिसमें दो सौ नब्बे से अधिक लोग मारे गए। अब पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। इसमें करीब पंद्रह लोगों के मरने और साठ से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। पीछे के जिन डिब्बों में टक्कर लगी और वे पटरी से उतर गए उनमें से दो सामान और गार्ड के डिब्बे थे। अगर उनमें भी मुसाफिर रहे होते तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि हादसा कितना बड़ा होता। इस दुर्घटना के पीछे स्वचालित सिग्नल प्रणाली का खराब होना कारण बताया जा रहा है। जैसा कि हर दुर्घटना के बाद मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की जाती है, वह औपचारिकता निभा दी गई है, मगर असली वजह का पता नहीं चल पाया है। जिस रेल लाइन पर यह हादसा हुआ, वह पूर्वोत्तर का सबसे व्यस्त मार्ग है। कहा जा रहा है कि इस मार्ग पर अभी टक्कररोधी उपकरण कवच नहीं लगा है, वरना यह हादसा न होने पाता।

हर रेल हादसे के बाद नियम–कायदों के उल्लंघन, तकनीकी खामियों आदि को लेकर मंथन चलता रहता है और आखिरकार उस पर पर्दा डाल कर किनारे कर दिया जाता है। अगर रेल विभाग सचमुच रेल दुर्घटनाएं रोकने को लेकर गंभीर होता, तो ऐसी मामूली लापरवाहियों और तकनीकी खामियों की वजह से ऐसे बड़े हादसे न होने पाते। ट्रेनों में टक्कररोधी उपकरण लगाने का प्रस्ताव करीब पच्चीस साल पुराना है। वर्तमान सरकार ने इसके लिए कवच नामक उपकरण विकसित किया और बढ़–चढ़ कर दावा किया गया कि इस उपकरण से रेल हादसे पूरी तरह रोके जा सकेंगे।

हकीकत यह है कि अभी तक केवल डेढ़ हजार किलोमीटर रास्ते में इस उपकरण को लगाया जा सका है। हालांकि रेल हादसे केवल गाड़ियों के टकराने से नहीं होते। कभी रेल की पटरियां उखड़ जाने से डिब्बे उतर जाते हैं, तो कभी गलत पटरी पर गाड़ियों को रवाना कर दिया जाता है, कभी सिग्नल प्रणाली ठीक न होने से गाड़ियां स्टेशन छोड़ कर आगे बढ़ जाती हैं। ज्यादातर हादसे व्यस्त मार्गों और तेज रफ्तार गाड़ियों में ही देखे जाते हैं।

विचित्र है कि देश में बुलेट ट्रेन चलाने का नक्शा खींचा जा रहा है, वंदेभारत जैसी तेज रफ्तार गाड़ियां बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, मगर पटरियों को सुगम बनाने के लिए जो जरूरी संसाधन चाहिए, वे नहीं जुटाए जा रहे। असुरक्षित पटरियों और कमजोर संचालन प्रणाली के जरिए मुसाफिरों को सुरक्षित सफर मुहैया कराना चुनौती ही रहेगा। लगातार हादसों के बाद जिस तरह रेलमंत्री के कामकाज के तरीके पर गंभीर सवाल उठे थे, अपेक्षा की जाती थी कि उसमें सुधार किया जाएगा।

मगर नई सरकार में भी उन्हीं को रेलवे की जिम्मेदारी सौंपी गई। अब भी सब कुछ पुराने ढर्रे पर दिख रहा है। हालांकि वे तुरंत दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए, पर इतने भर से सरकार की संजीदगी साबित नहीं होती, जब तक कि वह रेल सुरक्षा से जुड़े बुनियादी पहलुओं पर गंभीरता नहीं दिखाती। देश में एक रेल हादसे के बाद रेलमंत्री के इस्तीफा देने का भी उदाहरण रहा है। लोग भरोसा करके रेलगाड़ी से अपने गंतव्य के लिए चलते हैं, मगर किसी की लापरवाही की वजह से उन्हें जान गंवानी पड़ती है।

प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष वैश्विक चुनौतियां

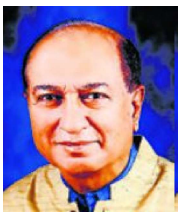

—जी. पार्थसारथी—

भले ही कुछ आलोचकों का स्वभाव है भारत की आर्थिक नीतियों पर नुक्ताचीनी करना, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय तौर पर मान्य है कि अपने आर्थिक उदारवाद के साथ –किसी समय रहे लाइसेंस, परमिट, कोटा राज के अंत के बाद– भारत की आर्थिक वृद्धि दर तेजी से बढ़ रही है। स्वयं भारत और दुनिया भी मानती है कि इस बदलाव के मुख्य सूत्रधार डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनका योगदान देश के प्रधानमंत्री रहते हुए भी सर्वमान्य रहा। यह गौरतलब है कि मुक्त अर्थव्यवस्था बनाने को उनके उठाए कदम नए आयामों में बदल गए। दुनिया भी मानती है कि भारत विश्व की सबसे तेजी से तरक्की करती अर्थव्यवस्था है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन है कि इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहेगी।

हालांकि, भारत उच्च आर्थिक विकास दर पाने की ओर अग्रसर है किंतु यह बात ध्यान में रखनी होगी कि विश्व में इसका रुतबा और प्रभामंडल अधिकांशतः मजबूत आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की से ही तय होगा। इस जरूरी आवश्यकता के चलते, एकदम साथ लगते पड़ोसियों से संबंध सुदृढ़ करने के अलावा भारत के समक्ष विकल्प कम ही हैं। इस ढंग के, जिनसे सुरक्षा एवं शांति सुनिश्चित हो, पश्चिम में लाल सागर–फारस की खाड़ी से लेकर पूरब में मलक्का की खाड़ी तक के इलाके में। अब यह व्यापक तौर पर मान्य है कि जो मुख्य चुनौतियां भारत के सामने अपनी सीमाओं पर और उनसे पार हैं, वे चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा और नीतियों से उपजी हैं।

लंबे समय तक भारत तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र से नजदीकी रिश्ते बनाने की आकांक्षा रखता आया है, जहां पर लगभग 60 लाख भारतीय कामगार रोजी–रोटी कमा रहे हैं। एक ओर भारत ने सऊदी अरब के साथ नजदीकी संबंध स्थापित कर लिए हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई के साथ पहले से अच्छे संबंधों को और प्रगाढ़ किया जा रहा है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रिश्ते पुनः मधुर बनाने में भारत की भूमिका अहम रही, जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सऊदी अरब के राजपरिवार को लेकर की गई नागवार टिप्पणी के बाद, सऊदी अरब की पलटवार बयानबाजी के बाद इनके संबंध तल्ख हो गए थे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक स्लिवन और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई वार्ता में यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान भी उपस्थित थे। इन वार्ताओं के एक सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल थे। यूएई, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने के वास्ते एक समझौता हुआ और जल्द ही अंतिम प्रारूप पर दस्तखत किए गए। अब पड़ोस के छह अरब राष्ट्रों सहित हिंद महासागर क्षेत्र के पश्चिमी किनारे तक के इलाके में उत्तरोतर सकारात्मक एवं सहयोगात्मक भूमिका निभाने के लिए भारत का मंच तैयार है।

भारत–अमेरिकी संबंध तब से अधिक प्रगाढ़ होते गए जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने तय किया कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत से संतुलन बैठाना भारत के बस की बात है और वह यह करना भी चाहेगा। दोस्ती के नाटक के बावजूद चीन की नीतियां भारत के प्रभाव को सीमित करने से बंधी हुई हैं। चीन पाकिस्तान के मिसाइल एवं परमाणु क्षमताओं को मजबूती देने का काम जारी रखे हुए है। भारत की अफगानिस्तान की तरफ लगती पश्चिमी सीमा के साथ और परे, चीन पाकिस्तान के साथ निकट सहयोग बनाकर काम कर रहा है। ईरान के साथ रिश्ते मजबूत करने के भारत के हालिया प्रयास, जिसमें सामरिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य शामिल है, इससे जहां भारत को मध्य एशिया तक और अधिक आर्थिक एवं नौवहनीय पहुंच बनाने में मदद मिलेगी, वहीं अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच को अड़ंगे लगाने के पाकिस्तानी प्रयासों की गुजाइश कम बचेगी।

ईरान के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों पर अमेरिका ने पहले एतराज जताया था, लेकिन अब लगता है कि बाद में विचार करने पर, उसे ईरान से होकर, अफगानिस्तान के साथ जोड़ता भारत का परिवहन गलियारा बनाना स्वीकार्य है। उम्मीद के मुताबिक पाकिस्तान इस परिवहन गलियारे से खुश नहीं है, क्योंकि इससे रावलपिंडी के सेना मुख्यालय में बैठे पाकिस्तानी जनरलों को भारत की ईरान, अफगानिस्तान और आगे मध्य एशिया तक बनती पहुंच में रोड़े अटकाने का मौका नहीं मिलता। आगे चलकर यह गलियारा अंतर्राष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे से जुड़ने में भारत का एक अहम आवाजाही द्वार बन जाएगा, इसके होकर भारत पहले मध्य एशिया और रूस से जुड़ेगा, तो अंतिम छोर में, यूरोप तक समुद्री, रेल और सड़क मार्ग से जुड़ जाएगा।

भारत–अमेरिका संबंधों पर जिस अहम कारक की छाया पड़ी है, वह है अमेरिकी मीडिया द्वारा भारत में लोकतांत्रिक आजादी पर कथित कुठाराघात को लेकर हो रही निरंतर आलोचना। आमतौर पर महसूस किया जाता है कि इस मीडिया आलोचना को राष्ट्रपति बाइडेन का समर्थन हासिल है। यह भी माना जा रहा है कि यदि साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारत के प्रति दोस्ताना रखने वाले ट्रंप विजयी हुए तो इस किस्म की आलोचनाएं बंद हो जाएंगी। हो सकता है भारत उन कुछ देशों में एक हो, जिसके नेतृत्व और लोगों को राष्ट्रपति ट्रंप मित्रवत और बेबाक लगें, जब वे भारत आए थे। चीन को लेकर ट्रंप में न तो कोई भ्रम है न ही उम्मीदें और पाकिस्तान के बारे में सोचने की तरफ भी उनका झुकाव कम ही रहा है।

बाइडेन प्रशासन की रीति के विपरीत पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप भारत के लोकतंत्र के बारे में कोई उपदेश नहीं देते। तथापि अमेरिका के साथ हमारे संबंध लगातार निकट बनते गए, जिसमें भारत–अमेरिका में नौवहनीय सम्पर्क से सुदृढ़ता लाने हेतु सहयोग काफी बढ़ा। हिंद महासागर में बीच समुद्र जलपोतों पर हमला या लूट की वारदातों से पैदा हुए तनाव के बाद यह घटनाक्रम काफी महत्वपूर्ण है, ठीक इसी वक्त गाजा पर इस्राइली कब्जा अभियान जारी था। होरमुज की खाड़ी से लेकर मलक्का की खाड़ी तक फैले हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के मद्देनजर अमेरिका भारत को बतौर एक महत्वपूर्ण सामरिक भागीदार मानना जारी रखे हुए है।

चीन और पाकिस्तान के साथ अपनी सीमाओं पर भारत की समस्याएं और तनाव आगे भी जारी रहेंगे। लगभग दिवालिया होने के बावजूद भी, लगता है पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को हवा देना जारी रखे हुए है। जहां शरीफ–बंधु और उनकी सिविलियन सरकार ने पाकिस्तान को दिवालिया होने के कगार पर धकेल दिया है, भारत का पाला 'गोली–चलाने को सदा तत्पर' रुख वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर से पड़ा है, जिनके हाथ में राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों बाबत शक्ति है। अपने गुरु और पूर्ववर्ती जनरल बाजवा के बरअक्स, जिन्हें समझ थी कि भारत के साथ तनाव का असर पाकिस्तान की आर्थिक एवं कूटनीति पर क्या होगा, लगता है गर्ममिजाज जनरल मुनीर भारत पर आतंकवाद थोपने पर उतारू हैं, विशेषकर जम्मू–कश्मीर में। जनरल मुनीर द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का उत्तर देने को भारत को राजनयिक एवं सैन्य रूप से प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

बेशक पाकिस्तान की सिविलियन और राजनीतिक संस्थाओं का नियंत्रण शरीफ बंधुओं के हाथ है, मुनीर द्वारा भारत के खिलाफ प्रायोजित आतंकवाद पर उनका प्रभाव बहुत कम है, जो पहले की भांति जम्मू–कश्मीर एवं अन्य जगहों पर जारी है। अतएव, भारत को जम्मू–कश्मीर ही नहीं इससे परे के इलाके में मुनीर द्वारा पोषित आतंकी कृत्यों पर नजदीकी नजर बनाए रखने की जरूरत है। इसी बीच भारत और ईरान ने अफगानिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते कायम कर लिए हैं, जिसमें भारत के ध्यान का मुख्य केंद्र आर्थिक सहयोग पर है। जो भी है, अहम होगा कि पाकिस्तान के साथ राब्ता और संबंध के लिए विगत की भांति 'पर्दे के पीछे वार्ता' चैनल खुला रखा जाए। जिससे कि वह प्रत्येक बैठक को भारत विरोधी प्रचार का जरिया न बनाने पाए। वहीं आतंकवाद को बढ़ावा देने पर भारत भी जवाबी कार्रवाई करने में परहेज न करे।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

—ललित गर्ग—

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति–नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर–सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण–पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे– मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल–पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य–संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम–काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है।

केदारनाथ आपदा से कोई सबक क्यों नहीं

—जयसिंह रावत—

केदारनाथ आपदा को गुजरे हुये 11 साल हो गये मगर उस विभीषिका के घाव अब तक नहीं भर पाये। उस त्रासदी में न जाने कितने लोग मरे होंगे, इसका सटीक अनुमान नहीं लग सका। मगर राज्य पुलिस द्वारा मानवाधिकार आयोग को सौंपे गयी रिपोर्ट में इस आपदा में पूरे 6182 लोग लापता बताये गये। जिन साधुओं का पूछने वाला कोई नहीं तथा देश के सुदूर हिस्सों से आये गरीब यात्रियों का कोई रिकार्ड ही नहीं था। अगर हमने केदारनाथ आपदा से कोई सबक सीखा होता तो 7 फरवरी, 2021 को सीमान्त चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में धौलीगंगा और ऋषिगंगा की बाढ़ की तबाही नहीं होती। उस त्रासदी में कम से कम 206 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई। ऋषिगंगा पर 13.2 मेगावाट और धौलीगंगा पर 520 मेगावाट के बिजली प्रोजक्ट नहीं बन रहे होते तो इन नदियों की बाढ़ उतनी विनाशकारी नहीं होती। लगता है हमारे योजनाकार और नीति–नियंता न तो केदारनाथ की और न ही धौलीगंगा की बाढ़ की विभीषिका से कोई सबक सीख सके। विकास के नाम पर पारिस्थितिकी से बेतहाशा छेड़छाड़ सम्पूर्ण हिमालय के साथ हो रही है, जिसका अंजाम हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी देख चुके हैं।

भारतीय भूगर्भ विभाग के तत्कालीन निदेशक सहित महेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट आदि भूवैज्ञानिकों ने रामबाड़ा से ऊपर किसी भी हाल में भारी निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की सिफारिश के साथ कहा था कि केदारनाथ धाम किसी ठोस जमीन पर न होकर मलबे के ऊपर स्थापित है, जो कि भारी निर्माण को सहन नहीं कर सकता। इधर विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़े इलाके को खोद दिया गया। इस खुदाई के कारण बदरीनाथ की क्रोम धारा जैसी कुछ पवित्र धाराएं लुप्त हो गयीं। उत्तराखंड के चारों धामों में यात्रियों की भीड़ पिछले रिकार्ड तोड़ती जा रही है। इस साल 16 जून तक चारों धामों में 23,54,440 यात्री पहुंच चुके थे। जबकि सन् 2000 तक पूरे छह महीनों में इससे बहुत कम यात्री आते थे। इन तीर्थों तक मोटर सड़क बनने से पहले मात्र 60–70 हजार यात्री ही पहुंच पाते थे। खास बात यह है कि यात्रियों का सैलाब बदरीनाथ से ज्यादा केदारनाथ में उमड़ रहा है। जबकि केदारनाथ के लिये 21 किमी लम्बी पैदल यात्रा है और बदरीनाथ सीधे वाहन से जाया जाता है।

पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट आदि विशेषज्ञों के अनुसार हिमालयी तीर्थों पर उनकी धारक क्षमता से इतनी अधिक भीड़ विनाशकारी ही हो सकती है। चिन्ता का विषय तो यह है कि लाखों वाहन सीधे गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियर समूहों के पास तक पहुंच रहे हैं। जिससे इन ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ने और हिमालय पर हिमनद झीलों की संख्या और आकार बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। सन् 2013 की बाढ़ में चोराबाड़ी झील ही केदारनाथ पर टूट पड़ी थी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल 16 जून तक मात्र एक माह और 6 दिन में 2,58,957 वाहन बदरीनाथ, गंगोत्री, केदारनाथ तथा यमुनोत्री के निकट पहुंच चुके थे।

केदारनाथ आपदा के कारणों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) की टीमों ने स्वयं दो बार आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही रिमोट सेंसिंग, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियॉलाजी, राज्य आपदा न्यूनीकरण केन्द्र और भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग जैसी विभिन्न विशेषज्ञ एजेंसियों के सहयोग से तीन खंडों में अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें 19 सिफारिशें और चेतावनियां दी गयीं थीं।

नवविवाहिता की ग्राइंडर से गला काट कर हत्या

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के पुराना खुटहा कस्बा निवासी अजय की शादी एक वर्ष पूर्व कोठीभार थाना क्षेत्र के गौरा दूबे निवासी विनोद पासवान की बेटी पूनम के साथ हुई थी। पति–पत्नी में आए दिन विवाद होता रहता था।

आरोप है कि पति का किसी अन्य महिला से संबंध है। मृतका के भाई संदीप ने बताया कि मंगलवार की सुबह साढ़े छह बजे मायके वालों को उसकी बहन की सास ने फोन कर बताया कि बहन की तबीयत खराब है और अंदर से दरवाजा बंद कर कमरे में है, दरवाजा नहीं खोल रही है।

मायके वाले जब पहुंचे तो दरवाजा खुला था और पूनम का शव कमरे में खून से लथपथ पड़ा था। उसका गला ग्राइंडर मशीन से काटा गया था। सूचना पर पहुंची पनियरा पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई। सोमवार की रात मकान के बगल में ही जन्मदिन पार्टी का आयोजन था। रात में डीजे बज रहा था, जिसके कारण किसी को रात में घटना के बारे में कुछ पता नहीं चल सका।

मंगलवार सुबह जब पुलिस पहुंची तो घटना के बारे में स्थानीय लोगों को जानकारी हुई। मृतका का पति टाइल्स लगाने का काम करता था। एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

हड़ताल पर गए डॉक्टर, दबंगों ने सरकारी अस्पताल में घुसकर मेडिकल स्टाफ से की मारपीट

संवाददाता–गोण्डा। जिले के मनकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दबंगो ने घुसकर इमरजेंसी में ड्यूटी कर रहे डाक्टर से अभद्रता करने लगे। जब फार्मेसिस्ट ने गाली देने से मना किया। तो दंबग ने फार्मेसिस्ट की पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। तो आरोपी वहां से भाग गये। इस घटना से नाराज मेडिकल स्टाफ ने मंगलवार की सुबह इमरजेंसी सेवा, ओपीडी सहित सभी सेवाएं बंद कर हड़ताल कर दिया। उनका कहना था कि जब तक आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जाएंगे। तब तक स्वास्थ्य केंद्र बंद रहेगा। जिले के मनकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर एसएन सिंह ने बताया कि सोमवार की रात लगभग 8 बजे इमरजेंसी में डाक्टर आदित्य और फार्मेसिस्ट विश्वनाथ मिश्र ड्यूटी पर थे। किसी घायल मरीज का इलाज कर रहे थे। इसी बीच आरोपी आया।

कहा कि हमारा इलाज करो। उधर फार्मेसिस्ट किसी घायल मरीज को इंजेक्शन लगाने के बाद पट्टी बांध रहे थे। इसी बीच आरोपी तेज आवाज में सबको गाली देने लगा। मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फार्मेसिस्ट को मारने लगा। कहा कि डाक्टर सही से इलाज नही कर रहे हैं। अब सबको मारूंगा। इस बीच पीडित कर्मचारियों ने पुलिस को फोन किया। जब तक पुलिस पहुंचती इसके पहले आरोपी मारपीट करके जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। घटना से नाराज डाक्टरों सहित सभी स्टाफ ने आपातकालीन सेवा सहित सभी विभागों में ताला जड़ दिया। मंगलवार की सुबह होते ही घटना से आहत स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों ने अधीक्षक एस एन सिंह की अगुवाई में इमरजेंसी,ओपीडी,एक्सरे सहित सभी कमरों में तालाबंदी करके हडताल कर दिया। कहा कि आये दिन दबंग सीएचसी में घुसकर डाक्टर, फार्मेसिस्ट व अन्य स्टाफ को भद्दी भद्दी गाली देते है। मारते पीटते हैं। शराब के नशे में शाम होते ही तमाम बाहरी लोग आकर आये दिन परेशान करते हैं। जिससे सब लोग परेशान है। सीएचसी में रात में सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की नियमित तैनाती करने की मांग किया।

अधीक्षक डाक्टर एस एन सिंह ने बताया कि पीडित फार्मेसिस्ट के साथ मैं तथा अन्य डाक्टर कोतवाली गये थे। वहां जाकर घटना के बावत लिखित तहरीर दिया।

ज्येष्ठ के अंतिम मंगलवार पर पार्षद ने किया भंडारा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार पर सरदार पटेल वार्ड की पार्षद इंद्रावती यादव के पुत्र पार्षद प्रतिनिधि मिथलेश यादव सोनू द्वारा वृहद भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा वार्ड के मोहबरा बाजार चौराहा, आशापुर और धर्मपुर में आयोजित रहा। जहां स्टाल लगाकर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को चावल–छोला व बूंदी प्रसाद का वितरण किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा प्रसाद का सिलसिला दोपहर से शुरू होकर देररात्रि तक चलता रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन और करतलिया आश्रम के महंत बालयोगी महंत रामदास मौजूद रहे। जिन्होंने बजरंगबली का पूजन–अर्चन, आरती कर भंडारे का शुभारंभ किया। इससे पहले पार्षद प्रतिनिधि मिथलेश यादव सोनू द्वारा माल्यार्पण व अंगवस्त्र ओढ़ाकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन ने कहा कि पवनपुत्र हनुमान सबके संकट को दूर करते हैं। वह अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बनाए रखते ज। उनके ज्येष्ठ के अंतिम मंगलवार पर सपा पार्षद इंद्रावती यादव द्वारा वृहद भंडारा का आयोजन किया गया। यह बहुत ही पुनीत कार्य है। भंडारा में बड़ी संख्या में हनुमान भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं पार्षद प्रतिनिधि मिथलेश यादव सोनू ने बताया कि ज्येष्ठ के चतुर्थ मंगलवार पर उनकी तरफ से वार्ड के मोहबरा चौराहा, आशापुर, धर्मपुर में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने चावल–छोला, बूंदी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पजो एएर महंत अंगद दास तथथथतथछजजथेमहंत अनिल मिश्रा शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह, रवि यादव, अखिलेश पाण्डेय,बमबम यादव , अंकित यादव, भानू यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

समय से निस्तारित करें लोगों की शिकायत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान 28 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित रहे। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को एक सप्ताह में निस्तारित कर रिपोर्ट प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन में आई शिकायतों को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण किया जाय। सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठें और लोगों की समस्या का निराकरण करें।

भाजपा का कार्यकर्ता न रुकता है न थकता है -राकेश त्रिवेदी

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भिनगा में आगामी अभियानों को लेकर आवश्यक बैठक का आयोजन किया। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि राकेश त्रिवेदी ने कार्यकर्ताओ को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सहित अन्य अभियानों में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करने का आह्वान किया। राकेश त्रिवेदी ने कहा कि वृक्षारोपण तथा बूथ व शक्तिकेन्द्र स्तर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी करनी हैं। हम कार्यकर्ताओं ने हाल में लोकसभा चुनाव सम्पन्न किया है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 सरकार बनायी है। यह हम कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है कि 1962 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ऐसे नेता हैं जो तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता न रुकता है न थकता है इसीलिए एक बार फिर भाजपा के कार्यकर्ता अंत्योदय के मंत्र, विकसित भारत के संकल्प और भारत को विश्वगुरु बनाने के कार्य में जनता के बीच जा कर कार्य करेंगे।

विकास कार्या में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी–जिलाधिकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को निर्माणाधीन विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में डीएम ने विकास कार्या में शिथिलता मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि कार्यों को तेजी से कराकर समय से पूरा कराया जाय। निर्माणाधीन विकास कार्यों में जिले के ही श्रमिकों को निर्माण कार्य में लगाया जाय, ताकि उन्हें रोजी–रोजगार के लिए इधर–उधर भटकना न पड़े। निर्माणाधीन कार्यों के गुणवत्ता की जांच टेक्निकल टीम से करायी जाएगी। यदि खामी मिली तो सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के साथ–साथ सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने जिले के सभी नहरों में टेल तक पानी की उपलब्धता करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। वहीं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुपालकों के पशुओं का शत–प्रतिशत जियो टैगिंग कराने के साथ ही पशुओं का टीकाकरण करने का निर्देशित किया। अधिशासी अभियंता विद्युत को बिजली कटौती की पंजिका बनाकर उसमें अंकित करने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण करने के साथ ही सरकार की ओर से दिए गए निर्देशानुसार वसूली के भी निर्देश दिए। डीएम की ओर से पंचायत, श्रम, एनआरएलएम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, मत्स्य, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व ग्रामीण सहित समाज कल्याण, प्रोबेशन, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण आदि विभागों की ओर से संचालित विकास कार्यो की समीक्षा की गई, तथा लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिये गये। इस मौके पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार यादव, सीएमओ डा. एपी सिंह, डीडीओ राम समुझ, उपनिदेशक कृषि कमल कटियार आदि मौजूद रहे।

गौरीबाजार में ईओ और सभासद में मारपीट

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार नगर पंचायत कार्यालय में ईओ और एक सभासद के बीच मंगलवार को कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। घटना के बाद नगर पंचायत में काफी देर तक अफरा तफरी मची रही। दोनों पक्षों से एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी गई है। नगर पंचायत गौरीबाजार के ईओ महेंद्र पांडेय ने दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वार्ड नं.8 गोलघर के सभासद नितेश कुमार मद्धेशिया सुबह सवा ग्याहर बजे के करीब कार्यालय में पहुंचे और किसी बात को लेकर कर्मचारी अरविंद से कहासुनी के बाद मारपीट करने लगे। जब वे बीच बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ गाली गलौज, मारपीट की गई और जरुरी अभिलेख फाड़ दिया गया है। इस मारपीट में उन्हें चोट लगी है। वहीं वार्ड नंबर 8 गोलघर के सभासद नितेश कुमार मद्धेशिया ने दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह मोहल्ले की समस्या लेकर नगर पंचायत कार्यालय गए थे। ईओ महेंद्र पांडेय से अपनी समस्या बता रहे थे, तभी बीच में आकर कार्यालय के कर्मचारी अरविंद, छोटेलाल, पंकज सिंह बेवजह उनके साथ गालीगलौज मारपीट करने लगे। उनके साथ ईओ ने भी उनको मारापीटा।

बिजली संकट,चार में से तीन ट्रांसफार्मर खोल ले गए बिजली कर्मचारी

संवाददाता–श्रावस्ती। दयाली गांव में 25 केवी के एक ट्रांसफार्मर से 75 घरों में बिजली सप्लाई की जा रही है। जिसकी वजह यह है कि बिजली कर्मचारी गांव में लगे चार ट्रांसफार्मर खोलकर उठा ले गए हैं। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर के सामने खड़े होकर पंखा लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत फत्तेपुर बनगई के मजरा दयाली गांव में मंगलवार को आक्रोशित बिजली उपभोक्ताओं ने ट्रांसफार्मर के पास एकत्र होकर हाथ पंखे झलकर विरोध जताया। विद्युत उपकेंद्र भगवान लहोर कला से जमुनहा फीडर से कई गांवों को बिजली सप्लाई की जाती है। जिसमें दयाली गांव में चार ट्रांसफार्मर लगाए गए थे। जिनसे करीब 75 लोगों को बिजली कनेक्शन दिया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग के कर्मचारी चार में से तीन ट्रांसफार्मर खोल ले गए हैं। अब केवल यहां 25 केवी का एक ट्रांसफार्मर रखा हुआ है और उससे 75 कनेक्शन की सप्लाई दी जा रही है। ओवरलोड होने से लो–वोल्टेज की समस्या रहती है और भीषण गर्मी में पंखा, कूलर आदि यंत्र नहीं चल पाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि संविदा के साथ ही क्षेत्र में तमाम निजी कर्मचारी बिजली विभाग का काम करते हैं। कर्मचारी कहीं ट्रांसफार्मर खराब होता है तो पैसा लेकर दूसरे गांव का ट्रांसफार्मर खोलकर लगा देते हैं। इसी तरह दयाली गांव में लगे तीन ट्रांसफार्मर हटा दिए गए हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने जमुनहा एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर 63 केवी ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की थी। लेकिन अभी कार्रवाई नहीं हुई है। जमुनहा एसडीएम संजय कुमार राय ने जल्द ही बिजली सप्लाई बहाल कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

अंतिम मंगलवार को श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब, समाजसेवियों ने की श्रद्धालुओं की सेवा

भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार को श्री राम नगरी में ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओ उमड़ा जन सैलाब मां सरयू में स्नान के बाद सुबह 3 से ही हनुमान जी महाराज श्री राम लला के दर्शन के लिए लाइन में लगे दिखे श्रद्धालु और यह सिलसिला पूरे दिन चला रहा वहीं समाजसेवियों ने हनुमान और राम भक्तों की खूब सेवा की दर्जनों स्टाल लगाकर के शरबत पूड़ी सब्जी छोला चावल हलवा पूरी लस्सी आदि का वितरण किया।

रामनगरी की प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम, रामकोट की तरफ से आश्रम के पीठाधीश्वर महंत जयराम दास के द्वारा सिद्धपीठ चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी के राजमहल बड़ा स्थान और श्रीराम आश्रम मंदिर मुख्य गेट के सामने ठंडा शरबत और पूड़ी सब्जी प्रसाद वितरण किया गया। जहां हजारों की संख्या में भक्तगणों प्रसाद पायें और प्रसाद वितरण का सिलसिला सुबह से शुरू होकर देरशाम तक चलता रहा।

श्रद्धालुओं की भीड़ का तांता टूटने का नाम ले ही नही रहा था। लाखों भक्तगणों ने ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलजो एएवार बजरंगबली का प्रसाद पाकर अपना जीवन धन्य बनाया।

महंत जयराम दास वेदांती ने बताया कि इस समय ज्येष्ठ का पवित्र माह चल रहा है। इस महीने में ज्येष्ठ के मंगलवार का बड़ा ही महत्व है। ज्येष्ठ के मंगलवार पर हनुमानजी की आराधना करना अत्यंत फलदायक माना गया है। सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी पर ज्येष्ठ के हर मंगलवार पर लाखों की संख्या में भक्तगण हनुमान जी का दर्शन–पूजन कर मत्था टेकते हैं। जहां तिल रखने भर की जगह नही बचती है। उन्होंने कहा कि श्रीरामाश्रम की तरफ से ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार पर श्रद्धालुओं को पूड़ी–सब्जी और शरबत के प्रसाद का वितरण किया गया है। लाखों की संख्या में भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद वितरण का कार्यक्रम देरशाम तक चलता रहा, जिसमें आश्रम से जुड़े से हुए शिष्य, अनुयायी और परिकरों का विशेष योगदान रहा।

जिले के 40 फीसदी हैंडपंप खराब, लोग परेशान

संवाददाता–महराजगंज। लाखों रूपये खर्च करने के बाद भी चिलचिलाती धूप में ग्रामीणों में शुद्ध पेयजल भी नसीब नहीं हो रहा है। कई पंचायतें इंडिया मार्का हैंडपंप की मरम्मत और रिबोर कराने के नाम पर कागजों में लाखों खारिज कर रही हैं। फिर भी एक अनुमान के मुताबिक करीब 40 फीसदी हैंडपंप खराब हैं। कहीं हैंडपंप दूषित पानी दे रहा है तो कहीं हैंडपंप पूरी तरह से खराब है। इससे ग्रामीणों व नगर के लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। हिन्दुस्तान की पड़ताल में बहुत से हैंडपंप खराब मिले। ग्रामीणों व शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हर गांव में इंडिया मार्का हैंडपंप लगाया गया था। इसकी देखरेख, मरम्मत, रिबोर की जम्मिेदारी ग्राम पंचायतों की है। लेकिन कई गांवों में इसपर या तो ध्यान नहीं दिया जा रहा है या कागजों में काम हो रहा है।

बहदुरी बाजार में सार्वजनिक स्थान पर लगा हैंडपंप खराब हो चुक है। यह कूड़े के ढेर से पटता जा रहा है। जिससे लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। एडीओ पंचायत गुलाब पाठक का कहना है कि जल्द हैंडपंप को ठीक करा दिया जाएगा। बारीगांव भरदेउरवा टोले पर लगा इंडिया मार्का हैंड पम्प कई वर्षो से खराब पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी मरम्मत कराने के लिए बार बार मांग किया गया। लेकिन ठीक नहीं कराया गया। गर्मी में शुद्ध पानी के लिए बहुत दक्कित हो रही है। इसी तरह से घुघली के वार्ड नंबर सात के सतीश लाल श्रीवास्तव के घर के बगल में लगा इंडिया मार्का हैंडपम्प व गन्ना परिषद के सामने लगा हैंडपम्प वर्षों से खराब पड़ा है। बृजमनगंज रेलवे स्टेशन परिसर और बृजमनगंज कोल्हुई मार्ग के कलवरगढ़के पास लगा इंडियामार्का हैंडपंप दूषित पानी दे रहा। हैंडपंप चलाते ही दूषित पानी निकल रहा है। इससे लोग बिना पानी पीए ही वापस चले जाते हैं। नगर पंचायत आनंदनगर नगर में करीब 240 इंडिया मार्का हैंडपंप है। जिसमें करीब 210 खराब हैं। खराब हैंडपंप केवल हाथ पैर धूलने के काम आ रहे हैं। ओवर हेड टैंक भी तीन वर्ष से खराब है। इससे लोगों को बोतल का महंगा पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। लोगों को बोतल और आरओ का पानी खरीदना मजबूरी हो गई है। गर्मी में लोग काफी परेशान हैं। ग्राम पंचायत सुकरौली उर्फ अरघा, हरदी डाली, खानुआ, सुंडी, कैथवलिया उर्फ बरगदही, शेषफरेदा, शेखफरेदा व आराजी सरकार उर्फ बैरियहवा आदि गांव में स्थापित अधिकांश इंडिया मार्का हैंडपंप खराब पड़ा है। जिस हैंडपंप से पानी निकल रहा है उसका पानी इतना दूषित है कि पीने लायक नहीं है। लक्ष्मीपुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्टेशन से उत्तरी छोर लगा इंडिया मार्का हैंडपंप कई वर्ष से खराब है। वाटर सप्लाई पानी धूप में खौल रहा है। जिससे लोगों को शुद्ध पानी के लिए तरस जाना पड़ रहा है।

नेपाल के रुपन्देही जिले में 17 सौ एचआईवी संक्रमित

संवाददाता–महराजगंज। पड़ोसी देश नेपाल में एचआईवी तेजी से पांव पसार रहा है। बार्डर के जिला रुपनदेही में 1700 एचआईवी पीड़ित मिले हैं। इसका खुलासा तिलोत्तमा नगर पालिका में आयोजित कार्यक्रम में हुआ। इसमें नगर पालिका तिलोत्तमा के 175 एचआईवी संक्रमित शामिल हैं।

नेशनल सेंटर फॉर एड्स एंड सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज कंट्रोल की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2022 के अंत तक नेपाल में करीब 30,000 एचआईवी पीड़ित थे। नेपाल में हर साल करीब 1000 नए एचआईवी पीड़ित मिल रहे हैं। इसमें करीब 800 संक्रमितों की मौत हो जा रही हैं। तिलोत्तमा नगर पालिका परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एचआईवी संक्रमित पांच विद्यार्थियों में 20,000 रूपये की दर से छात्रवृत्ति वितरित की गई। सात स्कूल स्तर के विद्यार्थियों को बैग, कॉफी, कलकुलेटर और अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराया गया। 60 संक्रमितों को चावल, दाल, तेल और अंडे सहित पोषण सामग्री उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में तिलोत्तमा के मेयर रामकृष्ण खान ने कहा कि एचआईवी का संक्रमण खून के सम्पर्क में आने से एक–दूसरे व्यक्ति को गिरफ्ता लेता है।

एड्स की जानकारी ही उसका बचाव है। बीमारी से बचने के लिए जागरूकता पर जोर देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एचआईवी पीड़ितों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। जिन संक्रमित के पास घर नही है उन्हें घर बनवाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख ज्ञान प्रसाद पौडेल ने कहा कि शहर में एचआईवी पीड़ित 175 में 72 को छात्रवृत्ति, शैक्षिक और पोषण सामग्री वितरित की गई। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में एचआईवी संक्रमित के लिए पांच लाख का बजट है। जन स्वास्थ्य निरीक्षक केशव भट्टाराई ने कहा कि एचआईवी पीड़ित नियमित एआरटी दवा लेकर जीवन बढ़ा सकते हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 586 / 2021

श्री रामदास

बनाम

जर्नादन तिवारी आदि

बनाम–1–जर्नादन तिवारी पुत्र स्वर्गीय रामकिशुन भूतपूर्व (जर्नादन दास शिष्य स्वर्गीय दीनबंधु दास) पट्टी बसंतियां हनुमानगढी अयोध्या मूल वर्तमान पता प्रतापपुर (बांसी पूरब) तहसील मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर 2– विनोद कुमार तिवारी पुत्र रामकिशुन निवासी प्रतापपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जनपद संतकबीर नगर

तारीख पेशी 29–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 59 / 2024

लीलावती

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

मृतक–धनीराम पुत्र राम आसरे निवासी ग्राम– तालढोली परगना– खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला – अयोध्या

मृत्यु दिनांक–17 / 11 / 2023

पेशी दिनांक– 10–07–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 10 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 10–07–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 617 / 2022

सै0 जैगम अब्बास

बनाम

सै0 शमशुल हसन आदि

बनाम–1–सै0 शमशुल हसन 2– सै0 इब्ने हसन 3– सै0 अनवरूल हसन पुत्रगण सै0 मोहम्मद उर्फ बच्छन 4– शब्बरी फातिमा पत्नी सै0 मोहम्मद उर्फ बच्छन समस्त निवासीगण ग्राम– सहनवां परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद अयोध्या 5– वीरेन्द्र नाथ पाण्डेय पुत्र परमेश्वरनाथ पाण्डेय निवासी ग्राम– नन्दापुर पोस्ट– धारमपुर परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद अयोध्या

तारीख पेशी 02–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 25 / 2024

शिव कुमार आदि

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या हर खासो आम 2– पंजाब नेशनल बैंक विक्रमजोत कैन्ट छावनी जनपद बस्ती

मृतका–श्रीमती चन्द्रपती पत्नी राम बहोरे निवासी अब्बूसराय नगर पालिका बाहर सरहद मिर्जापुर परगना मगलसी तहसील सदर जनपद– अयोध्या

पेशी दिनांक– 18–07–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 18 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 18–07–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र का नाम केव्यान सिंह से बदलकर अक्षयबल सिंह (AKSHAYBAL SINGH) कर दिया है। अब उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

(अमल सिंह)

पुत्र श्री राजेश कुमार सिंह

मकान नम्बर 3 / 19 / 203A

शक्ति विहार कालोनी

शहर व जिला–अयोध्या (उ.प्र.)

मो0 नं0 9559177611

कार्यालय ग्राम पंचायत सिहारी वि0ख0-साऊँघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–06 2024 से 26–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 27–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(विमला देवी) ग्राम प्रधान **(रीता चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

अभी तक 10 प्रतिशत भी नहीं हो सकी गेहूं की खरीद

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में इस बार लक्ष्य का 10 प्रतिशत भी गेहूं खरीद नहीं हो पाई है। 48 हजार एमटी लक्ष्य के सापेक्ष अब तक महज 3563.662 एमटी खरीद हुई है। खरीद शुरू होने के करीब ढाई माह में महज 725 किसान ही सरकारी क्रय केन्द्र तक पहुंच सके हैं।

गेहूं खरीद के लिए इस बार शासन ने जनपद को 48 हजार एमटी का लक्ष्य निर्धारित किया था। चार एजेन्सियों के कुल 69 क्रय केन्द्र बनाए गए। इसमें खाद्य विभाग के 24, भारतीय खाद्य निगम के दो, उत्तर प्रदेश सहकारी संघ के 42 और मंडी परिषद का एक क्रय केन्द्र बनाया गया था। सभी केन्द्रों को अलग–अलग लक्ष्य निर्धारित किया गया। खाद्य विभाग का कुल 17 हजार एमटी का लक्ष्य निर्धारित है। इसके सापेक्ष 419 किसानों से 2081. 144 एमटी अभी तक खरीद हुई है। वहीं भारतीय खाद्य निगम को 400 एमटी का लक्ष्य निर्धारित है, इसके सापेक्ष 22 किसानों से 81.15 एमटी अभी तक खरीद हुई है। वहीं उत्तर प्रदेश सहकारी संघ को 30 हजार एमटी का लक्ष्य निर्धारित था, इसके सापेक्ष 239 किसानों से 1117.993 एमटी खरीद हुई है। मंडी परिषद को 600 एमटी का लक्ष्य निर्धारित है। इसके सापेक्ष अभी तक 54 किसानों से 283.375 एमटी खरीद हुई है। सभी एजेन्सियों को मिलाकर अभी तक महज 3563.662 एमटी ही खरीद हो सकी है। जो लक्ष्य का 10 प्रतिशत भी नहीं है। कुल 7.42 प्रतिशत खरीद हुई है ।

वर्ष 2023 में भी शासन से 48 हजार एमटी का ही लक्ष्य निर्धारित था। इसके लिए 60 क्रय केन्द्र बनाए गए थे। क्रय एजेन्सियों और प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी महज 501.75 एमटी ही खरीद हुई थी। कुल 179 किसान ही क्रय केन्द्र तक पहुंचे थे। डिप्टी आरएमओ रूपेश सिंह ने बताया कि किसानों को बाजार में अधिक रेट मिलने के कारण खरीद कम हुई है। अभी भी प्रयास जारी है। प्रत्येक गांव में किसानों से सम्पर्क किया जा रहा है। अधिक से अधिक गेहूं की खरीद करने के निर्देश दिए गए हैं।

अयोध्या में हार के बाद अब उप चुनाव की तैयारी, मिल्कीपुर सीट से भाजपा के कई दावेदार सामने आए

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर उप चुनाव के लिए भाजपा के कई दावेदार सामने आ गए हैं। इनमें पूर्व विधायक से लेकर जिला पंचायत सदस्य और प्रधान तक शामिल हैं। पासी समाज से सबसे ज्यादा नाम सामने आए हैं। यदि सपा ने भी पासी समाज से उम्मीदवार उतारा तो किसी अन्य जाति के प्रत्याशी पर विचार किया जा सकता है। अवधेश प्रसाद के फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित होने के बाद यहां अब उप चुनाव होना तय है। अब निर्वाचन आयोग को उपचुनाव की घोषणा करनी है। इसी के साथ लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली भाजपा में इस सीट पर एक बार कब्जा जमाने के मकसद से हलचल शुरू हो गई है। पूर्व विधायक रहे बाबा गोरखनाथ अपनी उम्मीदवारी तय मानकर चल रहे हैं। यह अलग बात है कि पार्टी ने अभी कुछ फाइनल नहीं किया है। वैसे भी गोरखनाथ को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने 12,923 वोटों से पराजित किया था।

इस लोकसभा चुनाव में गोरखनाथ लल्लू सिंह को इस सीट पर नहीं जिता सके। भाजपा को यहां पर 7,733 मतों से हार का सामना करना पड़ा था। गोरखनाथ वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में 28,076 वोटों से जीतकर पहली बार विधायक चुने गए थे। इस बीच गोरखनाथ के अलावा टिकट के दावेदारों के रूप में जो नाम सामने आए हैं, उनमें पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, नीरज कनौजिया, आरएसएस की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे जिला महामंत्री कांशीराम रावत, राधेश्याम त्यागी, चंद्रभानु पासवान, लक्ष्मी रावत और जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी प्रमुख हैं। इसमें से कई पासी समाज से आते हैं। इस समाज से कई दावेदारों के चलते पार्टी के लिए एक नाम का चयन करना थोड़ा मुश्किल होगा। ऐसे में किसी अन्य बिरादरी से जुड़े चेहरे को भी आजमाया जा सकता है। फिलहाल संगठन ने सभी नामों पर विचार करते हुए दावेदारों की जीत और हार की संभावनाओं को खंगालना शुरू कर दिया है।

ईंट भट्ठे पर पेड़ से लटकती मिली मजदूर की लाश

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा इलाके के एक ईंट–भट्ठे पर पेड़ पर मजदूर की लटकती हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक झंगहा के डीहघाट भगने स्थित ईंट–भट्ठे पर सोनू (25) मजदूरी करता था। मंगलवार की सुबह मजदूरों ने एक पेड़ पर फंदे से लटकती हुई उसकी लाश देखी। भट्ठा मालिक के साथ ही झंगहा पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे झंगहा थानेदार सूरज सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। सूरज सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट से मौत की वजह सामने आएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत खेमराजपुर वि0ख0-कप्तानगंज जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–06 2024 से 28–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 29–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(राम मनोरथ) ग्राम प्रधान **(अरविन्द कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत मुजहना वि0ख0- साऊँघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–06 2024 से 24–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 25–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(दूधनाथ) ग्राम प्रधान **(रण विजय सिंह)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

फोरलेन बाईपास के किनारे मिली लाश

संवाददाता–गोरखपुर। फोरलेन बाईपास पर खोराबार के भैंसहा गांव के सामने मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मौके पर संघर्ष के निशान और गले पर चोट के निशान देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान की कोशिश शुरू कर दी है। पहचान न होने पर 72 घंटे बाद पीएम कराया जाएगा उसके बाद मौत की स्थिति साफ होगी।

जानकारी के मुताबिक भैंसहा गांव के पास फोरलेन के किनारे करीब 55 साल के व्यक्ति की लश पड़ी थी। भैंसहा गांव के लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मरने वाले व्यक्ति के मुंह से खून निकला था। गले पर चोट के निशान थे, पुलिस ने आस–पास के लोगों की मदद से पहले पहचान का प्रयास किया लेकिन पहचान न होने पर शव को मोर्चरी में रखवा दिया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0 C 202317000000174

अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

रामजस आदि

बनाम

श्रीमती निरता देवी आदि

1!1 रामचन्दर 1/2 आनन्द कुमार पुत्रगण स्व0 अम्बिका प्रसाद साकिनान मौजा पौनी जप्ती पो0 व तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–उत्तरवादी प्रथम वर्ग

2. भू0प्र0स0 पौनी जप्ती जरिये अध्यक्ष ग्राम प्रधान पौनीजप्त तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. ग्राम पंचायत पौनी जप्ती जरिये प्रधान निवासी पौनी जप्ती पो0 व तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती –उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 31–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 31 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

मुकदम्मा नं0

धारा 9 (क) (2) सी0एच0एक्ट

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी (आर) जिला–बस्ती

भगवानदीन

बनाम

भागीरथी आदि

1. चन्द्रभान 2. सूर्यभान पुत्रगण भागरथी 3. रामसुमेर पुत्र विशुन 4. हृदयराम पुत्र झिनकान निवासीगण ग्राम रमदेइया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत धिरौली बाबू वि0ख0- विक्रमजोत जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–06 2024 से 25–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 26–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(रामजीवन) ग्राम प्रधान **(श्री रामदरस)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत पकरी नासिर वि0ख0- साऊँघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–06 2024 से 24–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 25–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(श्रीमती भानमती) ग्राम प्रधान **(रीता चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /18.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com